# 18. चित्र-वर्णन

चित्र-वर्णन बच्चों की अवलोकन क्षमता को विकसित करने का बहुत ही सटीक माध्यम है। चित्र-वर्णन द्वारा बच्चे चित्र या दृश्य की बारीकियों को जानने, वस्तुओं को पहचानने तथा चित्र में उपस्थित व्यक्ति विशेष के भावों को समझने का प्रयास करते हैं। बारंबार अभ्यास से चित्र-वर्णन करने में कुशल हुआ जा सकता है।

## शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 86 पर दिए चित्र को दिखाकर बातचीत करें। जैसे– यह दृश्य पुस्तक मेले का है। पूछें, क्या आप कभी पुस्तक मेला देखने गए हैं? बताएँ, पुस्तक मेले में तरह-तरह की पुस्तकों की स्टॉलें होती हैं। यह हर वर्ष लगता है, आदि तथ्यों से बच्चों को अवगत करवाएँ। तदुपरांत चित्र का वर्णन बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ अभ्यास के लिए गए दृश्यों के चित्रों पर बच्चों से चर्चा करें।
- ❖ बातचीत करें, बच्चो से जानें, (क), (ख) चित्र में क्या-क्या हो रहा है पूछें।
- ❖ तदुपरांत बच्चों से इनका वर्णन लिखवाएँ। यथासंभव सहायता करें।